**आदेश 10 नियम 2 के अधीन आवेदन पत्र**

............... न्यायालय

आवेदन पत्र सं......... सन् २०२१

(आदेश 10 नियम 2 सि. प्र. सं. के अधीन)

इन

वाद सं..................... सन् २०२१

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

श्रीमान् जी

प्रतिवादी निम्नलिखित रूप में निवेदन करता है।

1. यह कि वादी ने उसको गढ़करके विक्रय करने के लिए अभिकथित करार पेश किया है। प्रतिवादी ने उसी दस्तावेज पर बिल्कुल एकदम अपना अंगूठा का निशान नहीं लगाया है। वादी ने किसी अन्य महिला द्वारा या स्वयं उसके अंगूठे का निशान लगवाया है।
2. यह कि प्रतिवादी महिला न्यायालय में विद्यमान है और यह समीचीन है कि वादी का परीक्षण इस बारे में किया जा सकेगा कि क्या प्रतिवादी महिला या कोई अन्य महिला है जिसने विक्रय करने के अभिकथित करार पर अपना अंगूठा का निशान लगाया है या नहीं लगाया है या उसने विक्रय करने के अभिकथित करार पर स्वयमेव निशान लगाया है।

**प्रार्थना**

अतएव यह अति सम्मानपूर्वक प्रार्थना की जाती है कि यह न्यायालय इस विषयविन्दु पर वादी को परीक्षित करने की कृपा करें क्या न्यायालय में वर्तमान महिला प्रतिवादी वही महिला है जिसने विक्रय करने के करार पर अपना अंगूठा का निशान लगाया है या दस्तावेज पर कतिपय अन्य महिला द्वारा स्वयं वादी द्वारा अंगूठे का निशान लगाया गया है; यह तद्नुसार प्रार्थना की जाती है।

**आवेदक**

**जरिये**

**अधिवक्ता**

**स्थान.........तारीख...........**

**शपथपत्र**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

के मामले में.............

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

**शपथपत्र**

निम्नलिखित रूप में एतद्द्वारा सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान एवम् कथन करता हूँ।

1. यह कि मै इस मामले में..................हूँ और अतएव, इस शपथपत्र पर शपथ लेने में सक्षम हूँ।
2. यह कि साथ दिये जा रहे आवेदन पत्र की अन्तर्वस्तु सत्य एवम् सही है।

**शपथकर्ता**

**सत्यापन**

......में इस तारीख................... को यह सत्यापित किया गया कि ऊपर शपथपत्र की अन्तर्वस्तु मेरी जानकारी में सत्य एवम सही है।

**शपथकर्ता**